श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

वसंत पंचमी - २३-०१-२०२६

साधक या साधिकायें स्नान आदि से निवृत होकर सफेद वस्त्र धारण कर पूर्व दिशा की ओर बैठे और सामने सफेद आसन पर गुरु चित्र और सरस्वती देवी का चित्र/यंत्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर ,गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधना प्रारंभ करे | साधना करते समय अनाहत चक्र पर ध्यान केन्द्रित करे |

विधान १: सरस्वती देवी प्रत्यक्ष दर्शन हेतु ४१ दिनों तक प्रतिदिन ४१ माला का जप प्रात:काल ४:०० बजे से ८:०० बजे के बीच संपूर्ण करे |

विधान २: सरस्वती देवी कृपा हेतु २१ दिनों तक प्रतिदिन २१ माला का जप प्रात:काल ४:०० बजे से ८:०० बजे के बीच संपूर्ण करे ।

विधान ३: विद्यार्थी बच्चों के लिए प्रतिदिन १ माला का जप २१ दिनों तक करना चाहिए |

मंत्र: || यं ऐं यं ||

सामाग्री: स्फटिक माला, सरस्वती चित्र/यंत्र, सफेद वस्त्र

जप संख्या: ४१ माला / २१ माला / १ माला

* साधना के अंतिम दिन घर पर एक ब्राह्मण एवं एक कन्या को भोजन करवाएँ और यथोचित दान-दक्षिणा भेंट करें |

****